close associate of Acharya Vinoba Bhave, has expressed his determination to go on fast from 17th August. I call upon the Government to take urgent steps to attend to the grievances of the Khadi industry so that we can all request Shri Balvijayji not to undertake the fast. Thank you.

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश) : मैं भी एसोसिएट करता हूं।

Request to release Stamp in Memory of freedom fighter Late Shri Karpuri Thakur

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : माननीय उपसभापति जी, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से देश के एक स्वतंत्रता सेनानी जननायक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर के सम्मान में डाक टिकट जारी करने का अनुरोध कर रहा हूं।

स्वर्गीय ठाकुर बिहार के एक गरीब नाई परिवार में पैदा हुए थे तथा प्रतिभा, कड़ी मेहनत, लगन और ईमानदारी की बदौलत देश की सामाजिक और राजनीतिक धारा में महत्वपूर्ण स्थान बनाया था। देश की आजादी की लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा अंग्रेजों की लाठी-डंडा का मुकाबला करते हुए अनेकों बार जेल गए। वे पक्के समाजवादी थे तथा समतामूलक समाज की रचना के लिए जीवन पर्यन्त समाजवादी आन्दोलन का नेतृत्व करते रहे। स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण, डा. राम मनोहर लोहिया जैसे समाजवादी नेताओं के साथ मिलकर वे गरीबों, दलितों, पिछड़ों के उत्थान के लिए आजीवन कार्यरत रहे। वे विधायक, सांसद, उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री जैसे ऊंचे पदों पर सफलतापूर्वक कार्यरत रहे। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में बिहार में पिछड़े वर्गों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण लागू किया। उन्हें गरीबों का मसीहा कहा जाता था तथा वे सामाजिक राजनीतिक जीवन में ईमानदारी की मिसाल रहे हैं। इतने ऊंचे पदों पर रहते हुए भी उन्होंने अपने परिवार के रहने के लिए एक छोटा सा घर तक नहीं बनाया और न बैंक में उनके लिए पैसा ही जमा करवाया। उन्होंने अपना जीवन गरीबों की सेवा में ही समर्पित कर दिया। उनके सम्मान में डाक टिकट जारी कर सरकार देश के गरीबों, दलितों, पिछड़ों तथा दीन-दुखियों का सम्मान करेगी।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि जननायक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जैसे सच्चे मानव और देशभक्त के सम्मान में शीघ्र डाक टिकट जारी करें।

DR. MANMOHAN SINGH (Assam): Madam, I associate myself with what Prof. Ramdeo Bhandari has stated.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There are no two opinions about it. So, everybody associates himself with what Prof. Ramdeo Bhandari has stated.

Need for Developing Travel Routes to Badrinath-Kedarnath in Uttaranchal

श्री मनोहर कान्त ध्यानी (उत्तरांचल) : महोदया, मेरा स्पेशल मेंशन बद्रीनाथ-केदारनाथ यात्रा परिपथ को केन्द्रीय योजना के तहत विकसित करने के बारे में है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ गंगोत्री-यमुनोत्री की यात्रा गर्मी के सीजन में माह मई से प्रारंभ होकर नवम्बर के मध्य तक चलती है। यह यात्रा देश की प्रमुख यात्राओं में से एक है और हर

सनातन धर्मी जीवन में एक बार इस यात्रा को करने की साध रखता है। यह यात्रा हरिद्वार-ऋषिकेष में समुद्रतल से 900 फीट की ऊंचाई से प्रारम्भ होकर 10,500 से 12,500 फुट तक की ऊंचाई के लिए होती है जिसमें यमुनोत्री-गंगोत्री और बद्रीनाथ 10,500 फुट के आसपास हैं। केदारनाथ 12,200 फुट पर है। इसमें बद्रीनाथ तथा गंगोत्री तक मोटर यात्रा की सुविधा प्राप्त है। यमुनोत्री और केदारनाथ तक मोटर मार्ग के बाद क्रमशः 15 एवं 13 किलोमीटर पैदल यात्रा करनी पड़ती है। अब तक केन्द्र सरकार द्वारा इस यात्रा के बारे में कभी गंभीरता से विचार नहीं हुआ है, न ही राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इसे कोई सहायता प्रदान की गयी है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा देश के तीर्थों जिसमें बौद्ध तीर्थ भी शामिल हैं, के लिए अनेक तीर्थयात्रा परिपथ विकास परियोजनाएं प्रारम्भ की गयी हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनेक योजनायें शुरू की गयी हैं। मुख्य योजनायें बौद्ध परिपथ के नाम पर प्रारम्भ की जा रही हैं। इससे आशा बंधी है कि पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय बद्रीनाथ-केदारनाथ चार धाम यात्रा मार्गों पर जिसमें पैदल मार्ग और पड़ाव तथा मोटर मार्गों के पड़ाव शामिल हैं, यात्री सुविधाओं, यात्री मार्ग विकास की योजनाओं में इन्हें भी शामिल करेगी जिससे सारे भारत के कोने-कोने से आने वाले यात्रियों को और सुविधा तथा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि बद्रीनाथ-केदारनाथ चार धाम यात्रा परिपथ विकास मार्ग को पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा देश के यात्रा परिपथों की भांति विकसित करने के कार्य को भी अपने हाथ में लिया जाए। धन्यवाद।

THE MINISTER OF TOURISM AND CULTURE (SHRI JAGMOHAN): Madam, I would like to respond to this issue. It is a very important matter which the hon. Member has raised. It is under my consideration. I have visited all these places in Uttaranchal recently. We are trying to give Central help also. Many projects have already been sanctioned in Rishikesh and all along this route. We want to cooperate with the State Government fully. I am happy to say that the State Government is also cooperating with us and we are trying to evolve an institutional mechanism so that all these religious places of cultural importance could be managed properly. The model which I have suggested is the Vaishno Devi model. Madam, management of religion is not the issue. It is the management of places which is the issue. Therefore, we would like to give maximum environmental help and upgrade these places culturally so that more and more people can go there. It would mean a cultural awakening of the country. It would also mean promotion of tourism. It would also make the environment better and helpful. Thank you.

Request to Extend Insurance cover to D.W.C.R.A. and D.W.M.R.A Groups in Andhra Pradesh

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Madam, we give our women the highest regard and reverence than anybody else in the